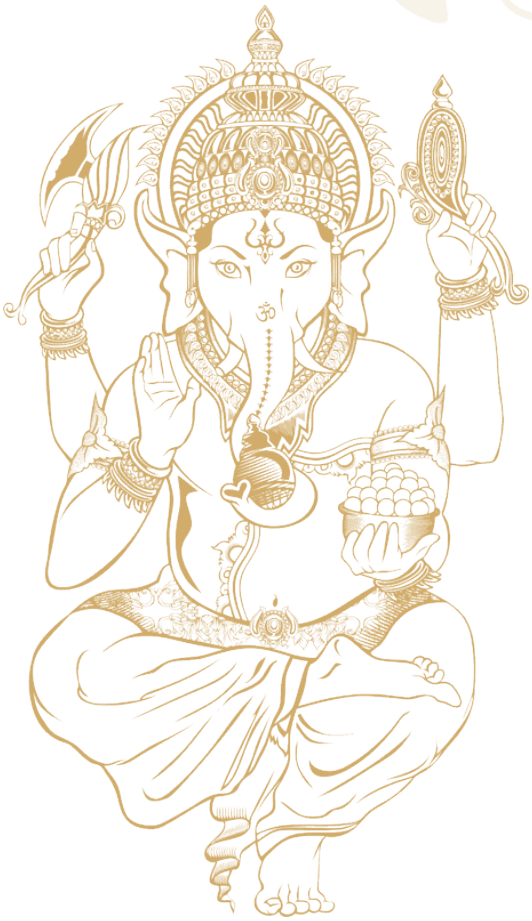

Mr. Sargam

Ms. Prena

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120421401

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120421401 Date: 04/12/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
31/05/1995	जन्म तिथि	14-15/04/1995
बुधवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 17:25:00	जन्म समय	02:15:00 घंटे
घटी 30:03:26	जन्म समय(घटी)	51:03:00 घटी
India	देश	India
Mandla	स्थान	Bhilwara
22:35:00 उत्तर	अक्षांश	25:23:00 उत्तर
80:28:00 पूर्व	रेखांश	74:39:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:08:08	स्थानिक संस्कार	-00:31:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:23:37	सूर्योदय	06:10:47
18:47:35	सूर्यास्त	18:53:20
23:47:44	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:38

तुला	लग्न	मकर
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	शनि
मिथुन	राशि	कन्या
बुध	राशि-स्वामी	बुध
आर्द्रा	नक्षत्र	हस्त
राहु	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
1	चरण	4
शूल	योग	व्याघात
कौलव	करण	विष्टि
कू-कुणाल	जन्म नामाक्षर	ठ-ठुमकी
मिथुन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष
शूद्र	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	मानव
श्वान	योनि	महिष
मनुष्य	गण	देव
आद्य	नाड़ी	आद्य
मार्जार	वर्ग	श्वान

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 15वर्ष 4मा 1दि		28:25:48	तुला	लग्न	मक	13:06:11	चन्द्र 1वर्ष 0मा 16दि	
गुरु		15:47:02	वृष	सूर्य	मेष	00:38:31	गुरु	
01/10/2010		08:38:20	मिथु	चंद्र	कन्या	21:56:19	01/05/2021	
01/10/2026		08:53:30	सिंह	मंगल	कर्क	21:50:55	01/05/2037	
गुरु	18/11/2012	22:48:21	वृष व	बुध	मेष	01:00:39	गुरु	19/06/2023
शनि	02/06/2015	16:50:41	वृश्चि व	गुरु व	वृश्चि	21:18:43	शनि	30/12/2025
बुध	07/09/2017	23:49:37	मेष	शुक्र	कुंभ	27:23:50	बुध	06/04/2028
केतु	14/08/2018	29:54:15	कुंभ	शनि	कुंभ	25:54:49	केतु	13/03/2029
शुक्र	14/04/2021	11:23:22	तुला व	राहु व	तुला	11:47:18	शुक्र	12/11/2031
सूर्य	31/01/2022	11:23:22	मेष व	केतु व	मेष	11:47:18	सूर्य	30/08/2032
चन्द्र	02/06/2023	06:24:16	मक व	हर्ष	मक	06:30:19	चन्द्र	30/12/2033
मंगल	08/05/2024	01:27:49	मक व	नेप	मक	01:42:34	मंगल	06/12/2034
राहु	01/10/2026	05:08:11	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	06:20:36	राहु	01/05/2037

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:47:44 चित्रपक्षीय अयनांश 23:47:38

लग्न-चलित

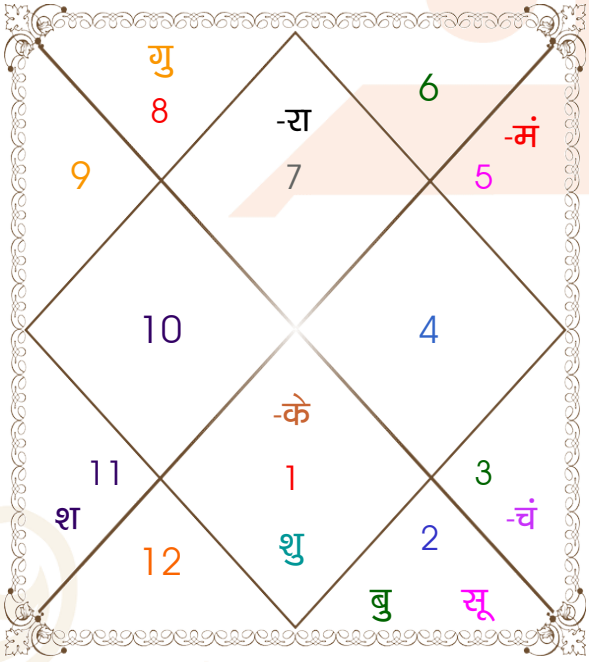

लग्न-चलित

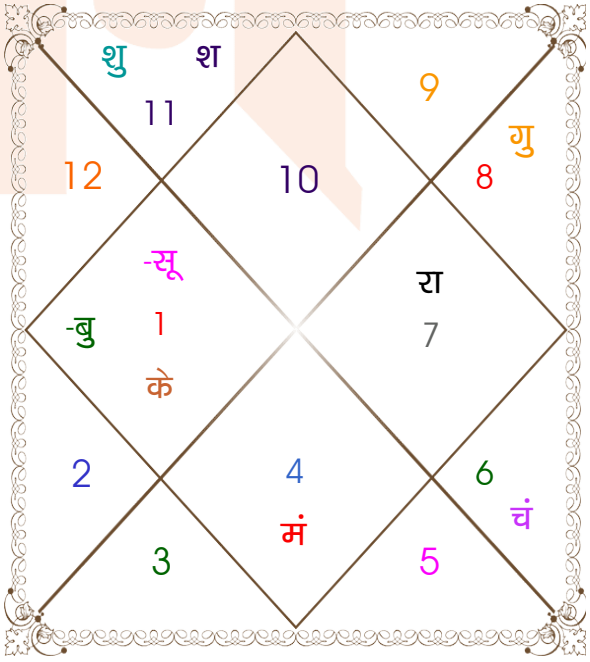

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.50		

कुल : **22.5 / 36**

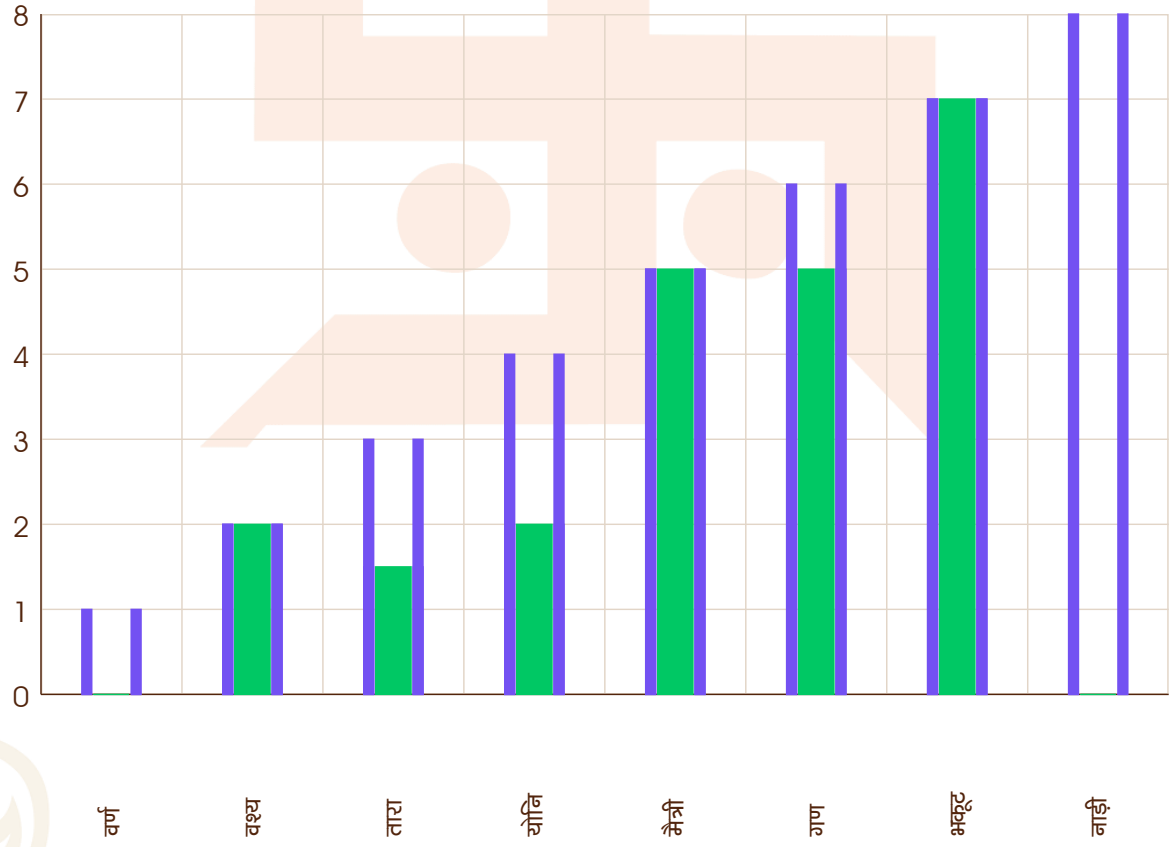

Shri Dadaji Jyotish kendra
Shop No 05, Sanskrit Mahavidyalaya Parisar Itarsi
8871726789
dadajiJyotishkendra@gmail.com

अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Mr. Sargam का नक्षत्र आर्द्रा है।

Mr. Sargam का वर्ग मार्जार है तथा Ms. Prena का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. Sargam और Ms. Prena का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. Sargam मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Ms. Prena मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. Prena कि कुण्डली में सप्तम् भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

ढप्थ्;थ्डत्मजतवह;0द्धझ0द्धझ क्योंकि मंगल Ms. Prena कि कुण्डली में वक्री है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Ms. Prena कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें

भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. Sargam कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. Sargam तथा Ms. Prena में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr. Sargam का वर्ण शूद्र है तथा Ms. Prena का वर्ण वैश्य है। क्योंकि Ms. Prena का वर्ण Mr. Sargam के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। Ms. Prena अति स्वार्थी तथा धन-लोलुप होगी। वह हमेशा दूसरों की कीमत पर सिर्फ अपने स्वार्थ की पूर्ति करती रहेगी। यह Ms. Prena अपने पति, बच्चों तथा परिवार के लोगों की न तो चिन्ता करेगी और न ही देखभाल। लड़ाई-झगड़ा करके यह हमेशा घर के लोगों का जीना दूभर कर सकती है।

वश्य

Mr. Sargam का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Ms. Prena का वश्य भी द्विपद अर्थात मनुष्य है अर्थात दोनों का वश्य समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान होगा। Mr. Sargam एवं Ms. Prena दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार पसंद/नापसंद तथा बुद्धि एवं ज्ञान एक समान होंगे। यह मिलान अति अनुकूल है तथा दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हैं। दोनों के बीच प्रेम, सद्भावना एवं आपसी समझ एवं सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। दोनों एक-दूसरे का सम्मान करेंगे तथा मिलजुलकर पारिवारिक दायित्वों का बोझ एक-दूसरे की सहायता एवं सहयोग करके साथ उठाते रहेंगे।

तारा

Mr. Sargam की तारा विपत तथा Ms. Prena की तारा मित्र है। Mr. Sargam की तारा विपत होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Mr. Sargam एवं Mr. Sargam के परिवार के लिए यह विवाह कष्टदायक हो सकता है तथा जिसके परिणामस्वरूप कष्ट, हानि एवं विपत्ति की संभावना बनी रहेगी। यद्यपि Ms. Prena हमेशा अपने पति एवं परिवार के लिए सहयोगी एवं मददगार बनी रहेगी किंतु अपने पति के दुर्भाग्य का शिकार होकर Ms. Prena को भी कष्ट झेलना पड़ सकता है। दुर्भाग्यवश बच्चे भी एवं विपन्नता का शिकार हो सकते हैं।

योनि

Mr. Sargam की योनि श्वान है तथा Ms. Prena की योनि महिष है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या

कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr. Sargam एवं Ms. Prena दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Mr. Sargam एवं Ms. Prena दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पत्ति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

Mr. Sargam का गण मनुष्य तथा Ms. Prena का गण देव है। अतः यह मिलान उत्तम मिलान है। ऐसे मिलान में Ms. Prena सतोगुणी होंगी तथा उसका स्वभाव दयालु, मृदु, सौम्य तथा कोमल होगा है जो कि एक महिला का नैसर्गिक गुण है तथा अन्य सभी लोग भी इन्हीं गुणों की अपेक्षा करेंगे। जबकि दूसरी ओर Mr. Sargam व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगे। जोकि इस भौतिकवादी, विश्व के पुरुष का नैसर्गिक गुण होता है। इन गुणों एवं योग्यताओं के कारण Mr. Sargam अपनी पत्नी, बच्चों, परिवार एवं समाज की हर अपेक्षा को पूरा करने में सक्षम रहेंगे तथा सभी इनसे खुश भी रहेंगे।

भकूट

Mr. Sargam से Ms. Prena की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है तथा Ms. Prena से Mr. Sargam की राशि दशम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Mr. Sargam परिश्रमी एवं अपने व्यवसाय में काफी अच्छे होंगे। अपने व्यवसाय में लगन, निष्ठा एवं मेहनत के कारण उन्हें सभी से प्रशंसा प्राप्त होती रहेगी। दूसरी ओर Ms. Prena घरेलू होंगी। अपने आतिथ्य भाव एवं सब का ध्यान रखने तथा बड़ों को सम्मान देने की प्रवृत्ति कारण परिवार के सदस्यों की आंखों का तारा होंगी। पति-पत्नी के बीच असीम प्रेम, सहयोग एवं

सामंजस्य बना रहेगा।

नाड़ी

Mr. Sargam की नाड़ी आद्य है तथा Ms. Prena की नाड़ी भी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Mr. Sargam एवं Ms. Prena दोनों की आद्य नाड़ी होने से, दम्पत्ति वात से संबंधित बीमारियों एवं रोगों के शिकार हो सकते हैं। ज्योतिषीय दृष्टि से ऐसे दम्पत्ति जिनकी नाड़ी एक ही हों, उनकी संतानें रक्ताल्पता, रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी का शिकार हो सकते हैं। वे पढ़ाई एवं कार्य में संकेन्द्रण की कमी जैसी व्याधियों एवं परेशानियों के शिकार हो सकते हैं अथवा बचपन या किशोरावस्था में ही उनकी मृत्यु हो सकती है।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr. Sargam की जन्म राशि वायुतत्व युक्त मिथुन राशि है तथा Ms. Prena की जन्म राशि पृथ्वी तत्व युक्त कन्या राशि है। यद्यपि वायु एवं पृथ्वी तत्व में परस्पर विषमता रहती है परन्तु Ms. Prena और Mr. Sargam आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से अपने दाम्पत्य जीवन को सुखमय बनाने में समर्थ रहेंगे। सामान्यतया यह मिलान उत्तम रहेगा।

Mr. Sargam और Ms. Prena की जन्म राशियों का स्वामी बुध है अतः उत्तम दाम्पत्य सुख के लिए यह स्थिति शुभ मानी जाती है। इसके प्रभाव से Mr. Sargam और Ms. Prena में शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर अधिकांश समानताएं रहेंगी जिससे परस्पर प्रेम सहानुभूति एवं सहयोग का भाव विद्यमान रहेगा। साथ ही एक दूसरे के दोषों की उपेक्षा करके वे गुणों से प्रभावित रहेंगे तथा आनंद पूर्वक अपना दाम्पत्य जीवन व्यतीत करेंगे। वे खान पान में या अन्यत्र भी एक दूसरे का पूर्ण ध्यान रखेंगे जिससे परस्पर संबधों में मधुरता रहेगी।

Mr. Sargam और Ms. Prena की राशियां परस्पर चतुर्थ एवं दशम भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट होता है। इसके प्रभाव से Mr. Sargam और Ms. Prena के मध्य पूर्ण आवेग से प्रेम एवं स्नेह का भाव विद्यमान रहेगा तथा एक दूसरे को पूर्ण सुख एवं सहयोग प्रदान करने के लिए वे सर्वदा तत्पर रहेंगे। उनमें एक दूसरे के प्रति सम्मान एवं समर्पण की भावना भी विद्यमान रहेगी जिससे आपस में Mr. Sargam और Ms. Prena गर्व की अनुभूति करेंगे।

Mr. Sargam और Ms. Prena दोनों का वश्य मानव है। अतः दोनों की अभिरूचियों में पूर्ण समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकता बराबर रहेगी। साथ ही दाम्पत्य सुख में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे जिससे Mr. Sargam और Ms. Prena का दाम्पत्य जीवन प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

Mr. Sargam का वर्ण शूद्र है। अतः किसी भी प्रकार के कार्य को गम्भीरता तथा ईमानदारी से करने में तत्पर रहेंगे। Ms. Prena का वर्ण वैश्य होने से धनार्जन के प्रति उनकी रूचि रहेगी तथा व्यापारिक बुद्धि से कार्यो को सम्पन्न करेंगी। इस प्रकार Mr. Sargam और Ms. Prena की कार्य क्षमता में अल्प अंतर होते हुए भी इसमें सुदृढ़ता बनी रहेगी।

धन

Mr. Sargam और Ms. Prena दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Mr. Sargam और Ms. Prena दोनों की नाड़ी आद्य है। यद्यपि प्रथम दृष्टि में यह नाड़ी दोष बनता है जिसके प्रभाव से Ms. Prena को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है परन्तु इनके नक्षत्र अलग एवं राशि स्वामी एक ही है अतः इससे नाड़ी दोष भंग हो जाता है जिससे Ms. Prena अल्प मात्रा में ही स्वास्थ्य संबंधी परेशानी की अनुभूति होगी परन्तु मंगल का Mr. Sargam के स्वास्थ्य पर अशुभ प्रभाव है जिससे वे गर्मी या रक्त विकार संबधी कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही धातु संबधी रोग या संभोग शक्ति में शिथिलता भी आएगी जिससे पारिवारिक जीवन में अशांति रहेगी। अतः इसके प्रभाव को न्यून करने के लिए हनुमानजी की पूजा, तथा मंगलवार का उपवास करना चाहिए। वैसे ऐसी स्थिति में विवाह करने की उपेक्षा करनी चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mr. Sargam और Ms. Prena का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Mr. Sargam और Ms. Prena के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms. Prena के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms. Prena को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms. Prena को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Mr. Sargam और Ms. Prena सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr. Sargam और Ms. Prena का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms. Prena के अपनी ससुराल के लोगों से संबधों में वांछित मधुरता रहेगी परन्तु यदा कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने में

कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथापि यदि Ms. Prena धैर्य एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो सास की सहानुभूति प्राप्त हो सकती है।

ससुर देवर एवं ननदों से Ms. Prena के संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवं सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सविधा एवं आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवं ननद से भी Ms. Prena का व्यवहार मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी Ms. Prena से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगों से सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

ससुराल-श्री

Mr. Sargam की अपनी सास से संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उनके प्रति श्रद्धा सम्मान एवं सहयोग का भाव रहेगा। Mr. Sargam सपत्नीक समय समय पर ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे जिससे आपसी संबंधों में मधुरता की वृद्धि होगी। साथ ही Mr. Sargam का व्यवहार उनके प्रति विनम्रता से युक्त रहेगा।

ससुर के साथ भी Mr. Sargam के संबंधों में मधुरता का भाव रहेगा। साथ ही इन दोनों के मध्य दामाद ससुर की अपेक्षा पिता पुत्र का भाव अधिक रहेगा। Mr. Sargam भी समय समय पर अपने समस्याओं के समाधान के लिए ससुर से सलाह लेते रहेंगे लेकिन साले तथा सालियों से संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान तथा सहयोग की प्राप्ति अल्प मात्रा में ही होगी।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Mr. Sargam के प्रति अनुकूल रहेगा जिससे उनके आपसी संबंध अनौपचारिक रहेंगे।